



दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

निगरानी पूँजीवाद

निगरानी पूँजीवाद

संदर्भ

- निगरानी पूँजीवाद, जहाँ व्यक्तिगत डेटा को तकनीकी कंपनियों द्वारा मानव व्यवहार की भविष्यवाणी करने और उसे प्रभावित करने के लिए एकत्रित, विश्लेषित एवं मुद्रीकृत किया जाता है, उसमें गोपनीयता तथा स्वायत्तता को लेकर चिंताएँ हैं, और इसका राज्य की निगरानी से गहरा संबंध है।

निगरानी पूँजीवाद के बारे में

- जैसे-जैसे व्यक्ति डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ते जा रहे हैं, एक नया आर्थिक मॉडल - निगरानी पूँजीवाद - उभर कर सामने आया है।
- हार्वर्ड की विद्वान शोशाना ज़ुबॉफ द्वारा प्रतिपादित किया गया यह मॉडल बड़े पैमाने पर निष्कर्षण, व्यवहार पैटर्न का विश्लेषण, और मानव क्रियाओं की भविष्यवाणी या यहाँ तक कि उन्हें प्रभावित करने, एवं Google, Facebook (मेटा), Amazon तथा Apple जैसे तकनीकी दिग्गजों और निगमों द्वारा व्यक्तिगत डेटा का मुद्रीकरण करने को संदर्भित करता है।
- औद्योगिक पूँजीवाद के विपरीत, जो वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री से लाभ अर्जित करता है, निगरानी पूँजीवाद मानव अनुभव को स्वयं वस्तु बनाकर राजस्व उत्पन्न करता है।

व्यक्तिगत डेटा को नियंत्रित करने की शक्ति

- गोपनीयता का ह्रास:** GPS लोकेशन ट्रैकिंग से लेकर ब्राउज़िंग इतिहास, व्यक्तिगत संचार और यहाँ तक कि बायोमेट्रिक डेटा तक, व्यक्तियों का अपने डिजिटल पदचिह्न पर बहुत कम नियंत्रण होता है।
 - यह सुभेद्यता उत्पन्न करता है, जैसा कि डेटा उल्लंघनों, पहचान की चोरी और अनधिकृत सरकारी निगरानी के मामलों में देखा गया है।
 - सरकारें और निगम प्रायः उपयोगकर्ता अनुभव, सुरक्षा या सुविधा में सुधार के बहाने डेटा संग्रह को उचित ठहराते हैं।
- व्यवहारिक संशोधन और उपभोक्ता नियंत्रण:** लक्षित विज्ञापन, व्यक्तिगत सामग्री अनुशंसाएँ एवं एल्गोरिदम-संचालित निर्णय लेने से ऐसे प्रतिध्वनि कक्ष बनते हैं जो वर्तमान मान्यताओं को सुदृढ़ करते हैं और विकल्पों को प्रभावित करते हैं। इसे निम्न में देखा जा सकता है:
 - राजनीतिक विज्ञापन:** सोशल मीडिया एल्गोरिदम कुछ कथाओं को बढ़ाकर मतदाताओं की राय को प्रभावित करते हैं। कैम्ब्रिज एनालिटिका स्कैंडल (2018) ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अमेरिका और ब्रिटेन में चुनावों में संशोधन करने के लिए फेसबुक डेटा का दुरुपयोग किया गया।
- नशे की आदत वाली प्रौद्योगिकियाँ:** YouTube, Instagram और TikTok जैसे प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को जोड़े रखने के लिए AI-संचालित सामग्री क्यूरेशन का उपयोग करते हैं, जिससे डिजिटल आदत लग जाती है।
- मूल्य भेदभाव:** एयरलाइंस, ई-कॉर्मर्स वेबसाइट और वित्तीय संस्थान मूल्य निर्धारण को समायोजित करने के लिए उपयोगकर्ता व्यवहार का विश्लेषण करते हैं, प्रायः एक ही उत्पाद या सेवा के लिए अलग-अलग उपभोक्ताओं से अलग-अलग राशि वसूलते हैं।
- निगरानी पूँजीवाद और बड़ी तकनीकी एकाधिकार:** Google खोज इंजन बाजार के 90% से अधिक को नियंत्रित करता है, जबकि Facebook और Instagram सोशल नेटवर्किंग पर हावी हैं। यह तकनीकी दिग्गजों को सेवा की शर्तों को निर्धारित करने, विशाल उपयोगकर्ता डेटा एकत्र करने और प्रतिस्पर्धा को दबाने की अनियंत्रित शक्ति देता है।

- राज्य निगरानी का विकास:** सरकारें बड़े पैमाने पर निगरानी, मुक्त भाषण पर अंकुश लगाने और असहमति को दबाने के लिए तकनीकी फर्मों के डेटा का उपयोग करती हैं।

मुख्य अंतर: निगरानी पूँजीवाद बनाम औद्योगिक पूँजीवाद		
विशेषता	निगरानी पूँजीवाद	औद्योगिक पूँजीवाद
मुख्य संसाधन	डेटा (उपयोगकर्ता व्यवहार, व्यक्तिगत जानकारी)	कच्चा माल (कोयला, इस्पात, वस्त्र, आदि)
लाभ का मुख्य साधन	लक्षित विज्ञापन, पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण के माध्यम से व्यक्तिगत डेटा का मुद्रीकरण	भौतिक वस्तुओं का बड़े पैमाने पर उत्पादन और बिक्री
कार्यबल की भूमिका	उपयोगकर्ता निष्क्रिय रूप से मूल्य उत्पन्न करते हैं (अनजाने में डेटा प्रदान करते हैं)	मजदूर सक्रिय रूप से कारखानों में माल का उत्पादन करते हैं
पावर होल्डर्स	प्रौद्योगिकी दिग्गज (गूगल, फेसबुक, अमेज़न, आदि)	उद्योगपति, कारखाना मालिक (फोर्ड, कार्नेगी, आदि)
शोषण मॉडल	व्यवहारिक डेटा निष्कर्षण और हेरफेर	फैक्ट्री मजदूरों के शारीरिक श्रम का शोषण
निगरानी एवं नियंत्रण	डिजिटल प्लेटफॉर्म, एआई और एल्गोरिदम के माध्यम से नियंत्रण निगरानी	पर्यवेक्षकों और मशीनीकरण के माध्यम से कार्यस्थल अनुशासन
आर्थिक प्रभाव	डिजिटल एकाधिकार का उदय, असमानता, गोपनीयता की हानि	बड़े पैमाने पर रोजगार, शहरीकरण, श्रमिक संघों का उदय
सामाजिक प्रभाव	व्यक्तिगत गोपनीयता का हनन, व्यवहार में हेरफेर (जैसे, राजनीतिक प्रभाव, लक्षित विज्ञापन)	उपभोक्ता वस्तुओं की उपलब्धता में वृद्धि, बेहतर जीवन स्तर (लेकिन श्रम संघर्ष भी)

निगरानी पूँजीवाद के प्रति कानूनी और नैतिक प्रतिक्रियाएँ

- यूरोपीय संघ का सामान्य डेटा संरक्षण विनियमन (GDPR):** 2018 में लागू किया गया, GDPR डेटा संग्रह पर सख्त नियम लागू करता है और उपयोगकर्ताओं को अपने डेटा तक पहुँचने और उसे हटाने का अधिकार देता है।
- कैलिफोर्निया का उपभोक्ता गोपनीयता अधिनियम (CCPA):** उपभोक्ताओं को उनके डेटा को कैसे एकत्र और बेचा जाता है, इस बारे में अधिक पारदर्शिता देता है।
- भारत का डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम (DPDP) 2023:** डेटा संग्रह, भंडारण और उपयोगकर्ता अधिकारों के लिए दिशा-निर्देश स्थापित करता है। हालाँकि, सरकार के अतिक्रमण को लेकर चिंताएँ बनी हुई हैं।

आगे की राह: डेटा पर उपयोगकर्ता नियंत्रण पुनर्स्थापित करना

- डेटा सुरक्षा कानूनों को मजबूत करना:** सरकारों को स्पष्ट जवाबदेही तंत्र के साथ मजबूत गोपनीयता कानून बनाने की आवश्यकता है।
 - विनियमों में कंपनियों को डेटा एकत्र करने से पहले स्पष्ट उपयोगकर्ता सहमति प्राप्त करने और ऑप्ट-आउट विकल्प प्रदान करने का आदेश देना चाहिए।

- **नैतिक AI और पारदर्शी एल्गोरिदम को बढ़ावा देना:** एल्गोरिदम ऑडिट करने योग्य होने चाहिए और पूर्वाग्रह और हेरफेर को रोकने के लिए बाहरी जांच के अधीन होने चाहिए।
 - नैतिक AI सिद्धांतों को लाभ अधिकतमकरण पर उपयोगकर्ता के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए प्रौद्योगिकी के विकास का मार्गदर्शन करना चाहिए।
- **विकेंद्रीकृत और गोपनीयता-प्रथम प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित करना:** निगरानी-आधारित व्यवसाय मॉडल के विकल्प उभर रहे हैं, जिनमें शामिल हैं:
 - Web3 जैसे विकेंद्रीकृत वेब प्लेटफॉर्म, जिनका उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को उनके डेटा का स्वामित्व देना है।
 - DuckDuckGo जैसे गोपनीयता-केंद्रित खोज इंजन जो उपयोगकर्ता गतिविधि को ट्रैक नहीं करते हैं।
 - सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड संचार उपकरण जो डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।
- **डिजिटल साक्षरता और जागरूकता:** डेटा अधिकारों, साइबर सुरक्षा और डिजिटल स्वच्छता के बारे में व्यक्तियों को शिक्षित करना महत्वपूर्ण है।
- उपयोगकर्ताओं को गोपनीयता सेटिंग्स, VPN और विज्ञापन अवरोधकों के माध्यम से डेटा ट्रैकिंग को सीमित करने के तरीके के बारे में पता होना चाहिए।

निष्कर्ष

- निगरानी पूँजीवाद ने डिजिटल परिदृश्य को मौलिक रूप से बदल दिया है, जिससे निगमों को व्यक्तिगत डेटा पर अभूतपूर्व शक्ति मिल गई है।
 - यद्यपि तकनीकी प्रगति निर्विवाद लाभ प्रदान करती है, मानव व्यवहार का अनियंत्रित वस्तुकरण गोपनीयता, लोकतंत्र और व्यक्तिगत स्वायत्तता के लिए एक गंभीर खतरा उत्पन्न करता है।
- व्यक्तिगत डेटा पर नियंत्रण पुनः प्राप्त करने के लिए, एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है - नीति निर्माताओं द्वारा सख्त डेटा कानून लागू करने से लेकर कंपनियों द्वारा नैतिक व्यवसाय मॉडल अपनाने और व्यक्तियों द्वारा सूचित डिजिटल विकल्प बनाने तक।
 - इंटरनेट के भविष्य को कॉर्पोरेट मुनाफे पर मानवाधिकारों को प्राथमिकता देनी चाहिए, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डिजिटल प्रगति लोगों का शोषण करने के बजाय उनकी सेवा करे।

Source: TH

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: निगरानी पूँजीवाद की व्यापक प्रकृति और गोपनीयता और स्वायत्तता पर इसके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, आप किस सीमा तक मानते हैं कि व्यक्तिगत डेटा का संग्रह और मुद्रीकरण व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं सामाजिक मूल्यों के लिए खतरा उत्पन्न करता है?

■ ■ ■